विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- चतुर्थ, विषय -हिंदी,

दिनांक -31-05-2021 एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

पाठ-5 चतुर टॉम (कहानी)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में पाठ-4 हमारा कश्मीर से प्रश्न उत्तर पूछा गया और बहु विकल्प प्रश्न आपको लाइव क्लास में बता दिया गया है। आज आपको पाठ-5 चतुर टॉम कहानी पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

एक था -टॉम। छोटा -सा, लेकिन बड़ा ही नटखट और बहादुर बच्चा। अपनी बूढ़ी पॉली मौसी के पास वाह रहता था। पॉली मौसी उसकी शरारते से कभी- कभी तंग आ जाती थीं।

एक दिन पॉली मौसी का धैर्य जवाब दे गया उन्होंने उसे सजा सुना दी। उसे घर की बड़ी -सी चहारदीवारी पर सफेदी करने का जिम्मा सौंपा गया।

शनिवार का दिन था। टॉम हाथ में सफेदी की बाल्टी और कुंची लिए हुए चहारदीवारी की पुताई के लिए निकाला हुआ था। उसने सोचा-आज का दिन इतना सुंदर है। क्या मैं बस सारे दिन पुताई करते हुए ही इसे बिताऊंगा? आखिर कुछ ना कुछ तो करना पड़ेगा?

तभी रोर्गस सेब खाता और स्ट्रीमर चलाने की नकल करता, उछलता- कूदता वहां आया। उस समय टॉम चहारदीवारी के एक हिस्से की पुताई करके एकदम कलाकार की नजर से उसे देख रहा था।

बेन ने बड़ी सहानुभूति से कहा-"अरे टॉम, आज तो तुम्हें काम करना पड़ रहा है।"

टॉम हंसकर बोला --- "काम! तुम इसे काम कहते हो? अरे, यह रोज-रोज चहारदीवारी की पुताई करने का मौका किसे मिलता है? मैं तो इतना खुश हूं, इतना, कि तुम्हें क्या कहूं।"

अब तू सारा नक्शा ही बदल गया था। बेन को लगा, काश, मुझे भी थोड़ी देर पुताई का यह मौका मिल जाए! उसने बड़ी मनुहार करते हुए कहा-टॉम, जरा मुझे भी पुताई करने दो न!"

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृह कार्य-

शब्दार्थ—

सहानुभूति –हमदर्दी **विनम्रता-विनय भाव, नरमी**

उल्लास -खुशी **चतुर-होशियार, चालाक**

हासिल -पाना, लेना **निरीक्षण-- देखरेख करना**

आश्चर्य -हैरानी **बहुमूल्य -कीमती**

मनुहार-मनाने का यत्न **अनुमति -आज्ञा**

गुनगुनी --- हल्की-हल्की गरमाई देने वाली

दिए, गए शब्दार्थ अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें और याद करें।